



# वीर अर्जुन



विविध : क्रिसमस पर रिलीज होगी कियारा की गेम चेंजर \* नई दिल्ली, लखनऊ एवं देहरादून से प्रकाशित

जिल्द: 40, अंक : 274 पृष्ठ : 12

E-mail : [dailyvirarjun@gmail.com](mailto:dailyvirarjun@gmail.com)

Website : [www.virarjun.com](http://www.virarjun.com)

E-Paper : [www.epapervirarjun.com](http://www.epapervirarjun.com)

R.N.I. No. 511/57 D.L.(C)-05/1270/2024-26 (Posted at Delhi RMS) नई दिल्ली, मंगलवार, 3 सितम्बर, 2024

मूल्य : रु 4.00

प्रभात संस्करण

संपादकीय

करोड़ों में बनी शिवाजी प्रतिमा 8 माह में गिरी



# अन्दाताओं को सरकार ने दिए तोहफे बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

कृषि क्षेत्र के लिए 14,000 करोड़ के सात कार्यक्रमों को मंजूरी

विशेष प्रतिनिधि

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने के मकसद से सोमवार को कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के सम्प्रदाय के लिए लगभग 14,000 करोड़ रुपये के परिव्यवाले सात बड़े कार्यक्रमों की घोषणा की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में खेती और कृषि विकास के लिए लगभग 14,000 करोड़ रुपये के परिव्यवाले सात बड़े कार्यक्रमों को मंजूरी दी गई। इनमें 2,817 करोड़ करोड़ की योजना शामिल है।

►योजना

इनमें 2,817 करोड़ का डिजिटल कृषि प्रशिक्षण और फसल विज्ञान के लिए 3,979 करोड़ की योजना शामिल है।

►कार्यक्रम

अनुसंधान व शिक्षा, जलवायु बदलावों से तालमेल, प्राकृतिक संसाधनों का प्रबंधन और डिजिटलीकरण के साथ बागवानी और पशुधन क्षेत्रों के विकास पर होगा ध्यान।

मंत्रिमंडल ने खाड़ी एवं पोषण सुक्ष्म कार्यक्रमों के लिए फसल विज्ञान को मंजूरी दी है और इसके लिए कुल 3,979 करोड़ रुपये का परिव्यवाला दिया गया है। इस कार्यक्रम में छह विंदुओं पर बल दिया गया है, जिनका लिये एवं गोपनीय क्षेत्र में अनुसंधान और उत्पादन के लिए लगभग 1,702 करोड़ रुपये की योजना को भी मंजूरी दी गई है। वैष्णव ने कहा कि मंत्रिमंडल ने बागवानों के लिए 860 करोड़ रुपये, कृषि विज्ञान केंद्रों के लिए 2,022 करोड़ रुपये और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन को मंजूरी देने के लिए 1,115 करोड़ रुपये के परिव्यवाले को भी मंजूरी दी है। कृषि क्षेत्रों से संबंधित इन सातों मंजूरी दी गई। यह कार्यक्रम भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के मालहत सचिलित किया

इमरजेंसी पर सेंसर बोर्ड का प्रमाणपत्र न मिला

**आवकारी नीति घोटाला: सुप्रीम कोर्ट ने पीएमएलए मामले में विजय नायर को जमानत दी**

निराशाजनक: कंगना

अपनी फिल्म इमरजेंसी को जेंडर बोर्ड से प्रमाणपत्र नहीं मिलने और छह सप्ताह बाकी के प्रसारीकरण इसका प्रदर्शन अधर में लटकने के बीच अभिनेता कंगना रनौत नेकहा कि यह बहुत निराशाजनक और अन्यायपूर्ण है कि सेंसरशिप केबल उनकी फिल्म के लिए है। (विविध)

प्रदर्शनकारी किसानों की शिकायतों के निवारण के लिए समिति गठित

सुप्रीम कोर्ट ने शेषु सीमा पर प्रदर्शन कर रहे किसानों की शिकायतों के निवारण के लिए पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति नवाब सिंह की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया। (देश)

भारत-सिंगापुर संबंध और प्रगाढ़ होने की ओर

अग्रसर : विदेश मंत्रालय

प्रधानमंत्री मोदी की सिंगापुर यात्रा से पहले विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत-सिंगापुर मार्गदरी के तहत साझेदारी के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति नवाब सिंह की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया। (देश-विदेश)

**अमानतुल्लाह खान को ईडी ने किया गिरफ्तार**

आप विधायक वक्फ बोर्ड में अनियमिता के हैं आरोपी



आप नेता अमानतुल्लाह खान को गिरफ्तार कर ले जाती ईडी की टीम। (एनएआई)

जनता पार्टी (भाजपा) जितना हमें दरबाने की कोशिश करेगी, हम उत्तरी ही मुख्यालय से अपनी आवाज उठाते होंगे ईडी को कार्रवाई के दौरान केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और डिल्ली पुलिस की सुक्ष्म टीम को खान के आवास के बाहर और अधियान शुरू किया था। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

जनता पार्टी (भाजपा) एक समारोह में इस अधियान की शुरुआत करने के तहत साझेदारी के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू होते लोकसभा और विधायक सभा के लिए अधिकतम महिला उम्मीदवार निर्वाचित होते हैं।

यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक समारोह में इस अधियान की शुरुआत करने के तहत साझेदारी के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू होते लोकसभा और विधायक सभा के लिए अधिकतम महिला उम्मीदवार निर्वाचित होते हैं।

जनता पार्टी (भाजपा) ने यह जानकारी दी।







## अदालत ने धनशोधन मामले में आरोपी को जमानत देते हुए ईडी की खिंचाई की

नई दिल्ली (विवेद)। दिल्ली की एक अदालत ने धनशोधन मामले में एक आरोपी को जमानत देते हुए प्रवर्णन निवेशालय (ईडी) को खिंचाई की और कहा कि गिरफतारी की शक्ति सीधे तौर पर नियंत्रण और संतुलन के समानुपातिक होनी चाहिए वहाँ स्थान नियमन भी होने चाहिए।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश धीरज मोर ने मांगेंशु मुसील अग्रवाल को जमानत देते हुए कहा कि बहुत अधिक रिस्ट्रिक्ट में छिले जांच अधिकारी (आईओ) ने उन्हें गवाह के रूप में उद्भव किया था जबकि आगे काम किया या वह मामले के तथ्यों को अधार पर उन्हें गिरफतार करने का

फैसला किया। न्यायाधीश ने 31 अगस्त को परिवर्तन आदेश में कहा, 'दोनों ही स्थितियां खतरनाक हैं' क्योंकि इससे आरोपी बिना किसी ढंग के छूट सकता है या किसी व्यक्ति को स्वतंत्रता पर गैरकानूनी रूप से अंकुश लग सकता है जिससे उसकी स्वतंत्रता पर निर्भर हो जाएगा, जिसे गिरफतारी की अत्यधिक शक्ति प्रदान की खिंचाई की परिस्थितियों में, यह स्पष्ट है कि जांच अधिकारियों में से एक गलत थाह है और या तो उसने कानून से परे कारणों के आधार पर काम किया या वह मामले के तथ्यों को उचित परिषेक में समझने में अक्षम

## आई केरर इक्वालिटी ने 2175 श्रमिकों को दृष्टि समर्थन प्रदान किया

नोएडा (विवेद)। सिर्फ 16 साल की उम्र में, द्विराम मिलेनियम स्कूल, नोएडा के 11वीं कक्षा के छात्र, हर्ष केड़िया, अपनी पहल, आई केरर इक्वालिटी के माध्यम से दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और गोपालगढ़ के बारे राज्यों में लूंग कॉर्पस पर महापूर्ण प्रभाव डाल रहे हैं। वह अपने पिता के साथ कैरियर्स और नियमों स्थान पर जाने के दौरान लूंग कॉर्पस कर्कस पर अपने गवाह के रूप में उद्भव किया है। अदालत ने कहा कि 'इन परिस्थितियों में, यह स्पष्ट है कि जांच अधिकारियों में से एक गलत थाह है और या तो उसने कानून से परे कारणों के आधार पर काम किया या वह मामले के तथ्यों को उचित परिषेक में समझने में अक्षम

## पश्चिमी दिल्ली में चाकू घोपकर पत्नी को मार डाला, शव कार में ही छोड़ा

नई दिल्ली, (विवेद)। पश्चिमी दिल्ली के राजीरी गार्डेन इलाके में 21 वर्षीय एक व्यक्ति ने चाकू घोपकर अपनी पत्नी की हत्या कर दी और उसका शव अपनी कर में ही छोड़ दिया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक अधिकारी ने कावल्ट्य चुना था क्योंकि उसे उनके खिलाफ रिकॉर्ड पर एकत्र सबूत उभे हो आरोपी माने के लिए पर्याप्त नहीं लगे थे। अदालत ने कहा कि बाद में आईओ ने उसी कावल्ट्य के आधार पर आवेदक को उपरिपात्र कर लिया।

पुलिस के अनुसार, गोतम देर रात संदिग्ध हालात में बिना कपीय पहने धूम रहा था तभी रात एक बजकर 20 मिनट पर छायाला पुलिस थाने में तैनात हो देंगे।

कांस्टेबल अजय ने उसे पकड़ लिया और पूछताछ की तो घटना का खुलासा हुआ। पूछताछ करने पर गौतम ने बताया कि उसने अपनी पत्नी मान्या (20) की हत्या कर उसका शव अपनी कर में ही छोड़ दिया है। एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी की हप्ताम गौतम के रूप में हुई है और जब वह भगवने की कोशिश कर रहा था तभी उसके पास एक व्यक्ति ने उसे पकड़ दिया। अधिकारी ने बताया कि शारीरी के बाद भी वे अपने-अपने परिवार के साथ फैक्ट्रियों और नियमों स्थान पर जाने के दौरान लूंग कॉर्पस कर्कस पर अपने गवाह के रूप में उद्भव किए हैं। अदालत ने कहा कि वे अपने गवाह के रूप में उद्भव किए हैं और जब वह भगवने की कोशिश कर रहा था तभी उसके पास एक व्यक्ति ने उसे पकड़ दिया।

पुलिस के अनुसार, गोतम देर रात संदिग्ध हालात में बिना कपीय पहने धूम रहा था तभी रात एक बजकर 20 मिनट पर छायाला पुलिस थाने में तैनात हो देंगे।

अधिकारी ने बताया कि शारीरी के बाद भी वे अपने-अपने परिवार के साथ फैक्ट्रियों और नियमों स्थान पर जाने के दौरान लूंग कॉर्पस पर अपने गवाह के रूप में उद्भव किए हैं। अदालत ने कहा कि वे अपने गवाह के रूप में उद्भव किए हैं और जब वह भगवने की कोशिश कर रहा था तभी उसके पास एक व्यक्ति ने उसे पकड़ दिया।

पुलिस के अनुसार, गोतम देर रात संदिग्ध हालात में बिना कपीय पहने धूम रहा था तभी रात एक बजकर 20 मिनट पर छायाला पुलिस थाने में तैनात हो देंगे।



## जटवाड़ा ने शीला नफे राठी को दिया आशीर्वाद

बहादुरगढ़ (राकेश पंवार)।

स्व. नफे सिंह राठी की धर्मपत्नी शीला राठी को इंडियन नेशनल लॉकल व बसपा गठबंधन का प्रत्याशी घोषित किया गया है।

जटवाड़ा मोहल्ला की आठ, सात, पांच पाना की हुई पंचायत में शीला नफे सिंह राठी को विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ने का प्रस्ताव पंचायत में आयोजित आंखों की देखभाल के जरूरतों को पूरा करना है। अदालत केरर इक्वालिटी मुक्त दृष्टि परिष्काण, निदान और सुधारात्मक उपयोग प्रदान करता है, जिसमें पड़ने के

तथ्यों के बावजूद विधानसभा चुनाव में सहयोग देने का आशासन व आशीर्वाद दिया। जटवाड़ा मोहल्ला के लोगों ने पंचायत में एक स्वर में कहा कि वे स्व. नफे सिंह राठी के परिवार के साथ खड़े होंगे और विशेषकर अव्यवस्थित सेक्टर में उपयोग प्रदान करता है। जिसमें पड़ने के बावजूद विधानसभा चुनाव को पूरी मेहनत विधानसभा चुनाव में उपयोग करने के बावजूद विधानसभा चुनाव में सहयोग देने का आशासन व आशीर्वाद दिया। जटवाड़ा मोहल्ला के लोगों ने पंचायत में एक स्वर में कहा कि वे स्व. नफे सिंह राठी के परिवार के साथ खड़े होंगे और विशेषकर अव्यवस्थित सेक्टर में उपयोग प्रदान करता है। जिसमें पड़ने के बावजूद विधानसभा चुनाव को पूरी मेहनत विधानसभा चुनाव में सहयोग देने का आशासन व आशीर्वाद दिया। जटवाड़ा मोहल्ला के लोगों ने पंचायत में एक स्वर में कहा कि वे स्व. नफे सिंह राठी के परिवार के साथ खड़े होंगे और विशेषकर अव्यवस्थित सेक्टर में उपयोग प्रदान करता है। जिसमें पड़ने के बावजूद विधानसभा चुनाव को पूरी मेहनत विधानसभा चुनाव में सहयोग देने का आशासन व आशीर्वाद दिया। जटवाड़ा मोहल्ला के लोगों ने पंचायत में एक स्वर में कहा कि वे स्व. नफे सिंह राठी के परिवार के साथ खड़े होंगे और विशेषकर अव्यवस्थित सेक्टर में उपयोग प्रदान करता है। जिसमें पड़ने के बावजूद विधानसभा चुनाव को पूरी मेहनत विधानसभा चुनाव में सहयोग देने का आशासन व आशीर्वाद दिया। जटवाड़ा मोहल्ला के लोगों ने पंचायत में एक स्वर में कहा कि वे स्व. नफे सिंह राठी के परिवार के साथ खड़े होंगे और विशेषकर अव्यवस्थित सेक्टर में उपयोग प्रदान करता है। जिसमें पड़ने के बावजूद विधानसभा चुनाव को पूरी मेहनत विधानसभा चुनाव में सहयोग देने का आशासन व आशीर्वाद दिया। जटवाड़ा मोहल्ला के लोगों ने पंचायत में एक स्वर में कहा कि वे स्व. नफे सिंह राठी के परिवार के साथ खड़े होंगे और विशेषकर अव्यवस्थित सेक्टर में उपयोग प्रदान करता है। जिसमें पड़ने के बावजूद विधानसभा चुनाव को पूरी मेहनत विधानसभा चुनाव में सहयोग देने का आशासन व आशीर्वाद दिया। जटवाड़ा मोहल्ला के लोगों ने पंचायत में एक स्वर में कहा कि वे स्व. नफे सिंह राठी के परिवार के साथ खड़े होंगे और विशेषकर अव्यवस्थित सेक्टर में उपयोग प्रदान करता है। जिसमें पड़ने के बावजूद विधानसभा चुनाव को पूरी मेहनत विधानसभा चुनाव में सहयोग देने का आशासन व आशीर्वाद दिया। जटवाड़ा मोहल्ला के लोगों ने पंचायत में एक स्वर में कहा कि वे स्व. नफे सिंह राठी के परिवार के साथ खड़े होंगे और विशेषकर अव्यवस्थित सेक्टर में उपयोग प्रदान करता है। जिसमें पड़ने के बावजूद विधानसभा चुनाव को पूरी मेहनत विधानसभा चुनाव में सहयोग देने का आशासन व आशीर्वाद दिया। जटवाड़ा मोहल्ला के लोगों ने पंचायत में एक स्वर में कहा कि वे स्व. नफे सिंह राठी के परिवार के साथ खड़े होंगे और विशेषकर अव्यवस्थित सेक्टर में उपयोग प्रदान करता है। जिसमें पड़ने के बावजूद विधानसभा चुनाव को पूरी मेहनत विधानसभा चुनाव में सहयोग देने का आशासन व आशीर्वाद दिया। जटवाड़ा मोहल्ला के लोगों ने पंचायत में एक स्वर में कहा कि वे स्व. नफे सिंह राठी के परिवार के साथ खड़े होंगे और विशेषकर अव्यवस्थित सेक्टर में उपयोग प्रदान करता है। जिसमें पड़ने के बावजूद विधानसभा चुनाव को पूरी मेहनत विधानसभा चुनाव में सहयोग देने का आशासन व आशीर्वाद दिया। जटवाड़ा मोहल्ला के लोगों ने पंचायत में एक स्वर में कहा कि वे स्व. नफे सिंह राठी के परिवार के साथ खड़े होंगे और विशेषकर अव्यवस्थित सेक्टर में उपयोग प्रदान करता है। जिसमें पड़ने के बावजूद विधानसभा चुनाव को पूरी मेहनत विधानसभा चुनाव में सहयोग देने का आशासन व आशीर्वाद दिया। जटवाड़ा मोहल्ला के लोगों ने पंचायत में एक स्वर में कहा कि वे स्व. नफे सिंह राठी के परिवार के साथ खड़े होंगे और विशेषकर अव्यवस्थित सेक्टर में उपयोग प्रदान करता है। जिसमें पड़ने के बावजूद विधानसभा चुनाव को पूरी मेहनत विधानसभा चुनाव में सहयोग देने का आशासन व आशीर्वाद दिया। जटवाड़ा मोहल्ला के लोगों ने पंचायत में एक स्वर में कहा कि वे स्व. नफे सिंह राठी के परिवार के साथ खड़े होंगे और विशेषकर अव्यवस्थित सेक्टर में उपयोग प्रदान करता है। जिसमें पड़ने के बावजूद विधानसभा चुनाव को पूरी मेहनत विधानसभा चुनाव में सहयोग देने का आशासन व आशीर्वाद दिया। जटवाड़ा मोहल्ला के लोगों ने पंचायत में एक स्वर में कहा

# वीर अर्जुन

अर्जुनस्य प्रतिज्ञे द्वै, न दैन्यं, न पलायनम् ।

नई दिल्ली, मंगलवार, 3 सितम्बर, 2024

# करोड़ों में बनी शिवाजी प्रतिमा 8 माह में गिरी

महाराष्ट्र के मालवन में समुद्र तट पर ४ महीने पहले लगभग ५ करोड़ रुपए की लागत से बनाई गई छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा सोमवार दोपहर अचानक भरभरकर गिर गई। छत्रपति शिवाजी महाराज की ३५ फुट ऊंची प्रतिमा के धराशाही होने की घटना सिर्फ इसलिए दुखद नहीं है कि यह प्रतिमा हमारे एक महानायक की महान स्मृतियों से जुड़ी थी और इसमें भारतीय नौ सेना की साख भी जुड़ी हुई थी बल्कि यह इसलिए भी गंभीर चिंता का विषय है कि हमारे सार्वजनिक निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की कलई खुल गई। गौर कीजिए इस प्रतिमा का निर्माण करोड़ों रुपए की लागत से किया गया और इसी ४ दिसम्बर को नौसेना दिवस पर इसका अनावरण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया गया था। इस घटना पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शिवाजी से माफी मांगी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को महाराष्ट्र में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा— मैं इस घटना पर सिर झुकाकर माफी मांगता हूँ। हमारे लिए शिवाजी आराध्य देव हैं। उन्होंने यह बयान शुक्रवार को राज्य के पालघर जिले में वधावन बंदरगाह परियोजना के शिलान्यास समारोह के दौरान दिया। इससे पहले राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी कहा था कि वो इस घटना के लिए माफी मांगने को तैयार हैं। वहीं राज्य के उप मुख्यमंत्री अजित पवार भी इस घटना के लिए माफी मांग चुके हैं। पीएम मोदी की ओर से माफी मांगने के बाबूजूद विपक्ष के हमले जारी हैं। विपक्ष कह रहा है कि भ्रष्टाचार की बजह से मूर्ति गिरी है, इसलिए सीएम शिंदे और दोनों डिप्टी सीएम को हटाएं। जल्द ही विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। भाजपा और उनके सहयोगियों की पहले से ही हालत पतली है। जैसे कि लोकसभा के चुनाव परिणामों ने दर्शा दिया। पत्रकारों से बात करते हुए जयंत पाटिल ने कहा, केवल आठ महीने पहले बनाई गई मूर्ति गिर गई है। यह मूर्ति नहीं गिरी है। महाराष्ट्र का गौरव गिरा है। मुख्यमंत्री कहते हैं कि तेज हवा चल रही थी इसलिए मूर्ति गिरी। अगर ऐसा होता तो दो या तीन पेड़ गिर जाते, वहीं लगे नारियल के पेड़ों से लटके नारियल भी गिर जाते पर ऐसा कुछ नहीं हुआ, केवल मूर्ति ही बयों गिरी? इसका मतलब है कि मूर्ति का काम सही तरीके से नहीं हुआ। मूर्ति का काम कम अनुभव वाल व्यक्ति को दिया गया था जिसे दो फुट की मूर्ति बनाने का अनुभव है, उसे ३५ फुट की मूर्ति बनाने का काम दिया गया। कहा तो यह भी जा रहा है कि करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार हुआ है। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फर्णांडीस ने विपक्ष पर इस मामले को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाया था। इस पर प्रेस कांफ्रेस में शरद पवार ने कहा, इसमें राजनीति कहां है? शिवाजी महाराज के शासनकाल के दौरान जब एक लड़की के साथ बलात्कार हुआ तो शिवाजी ने व्यक्ति के हाथ और पैर कटवा दिए थे। उन्होंने लोगों के सामने अपराध को लेकर इतना सख्त रुख अपनाया था लेकिन आज भ्रष्टाचार हुआ है। वो भी शिवाजी महाराज की प्रतिमा बनाने के फैसले को उन्होंने कहा जहां-जहां प्रधानमंत्री खुद गए हैं वहां-वहां प्रतिमा गिरी है। इससे पता चलता है कि भ्रष्टाचार किस हद तक पहुंच गया है। मूर्ति बनाने में जल्दबाजी की गई इसमें जितना समय लगना चाहिए था उसमें इसलिए जल्दबाजी की गई ताकि विधानसभा चुनाव में इसका राजनीतिक लाभ मिल सके। राजनीतिक लाभ तो दूर की बात अब तो नुकसान का आंकलन करना चाहिए।

# हरियाणा चुनाव की कमान संघ के हाथ

आगामी अक्टूबर को होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा को हैट्रिक दिलवाने के लिए सूत्रों का दावा है कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आएसएस) ने कमान संभाल ली है। संघ के सभी सांप्रदायिक संगठन पूरी ताकत के साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ खड़े होंगे। चुनाव में टिकट वितरण से लेकर रणनीति तैयार करने जैसे सभी मामलों में संघ से राय-मशविरा किया जा रहा है। भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए संघ का जोर मत प्रतिशत बढ़ाने और 60 फीसदी सीटों पर प्रतिद्वंद्वियों पर बढ़त हासिल करने पर है। इसके लिए संघ ने भाजपा हाईकमान को 70 फीसदी सीटों पर नए चेहरों को मौका दिया जाना चाहिए का सुझाव दिया है। संघ के सूत्रों के मुताबिक लोकसभा चुनाव में भाजपा के निराशाजनक प्रदर्शन की व्यापक समीक्षा में पाया गया कि कार्यकर्ताओं की नाराजगी, अंदरूनी कलह, अति आत्मविश्वास को बेहतर तालमेल की कमी के कारण पार्टी आधी से अधिक बूथों पर प्रतिद्वंद्वियों से पीछे रह गई थी। जिन बूथों पर पार्टी उम्मीदवार पीछे रहे, वहां लचर प्रबंधन और कार्यकर्ताओं की उदासीनता सबसे बड़ा कारण रहा। संघ ने तय किया है कि सभी बूथों पर भाजपा के साथ संघ के कार्यकर्ता भी सक्रिय होंगे। मतदान से पहले हर हाल में एक-एक परिवार से संपर्क किया जाएगा। लोकसभा चुनाव में पार्टी 19,812 बूथों में से 10,072 बूथों पर पीछे रह गई। भाजपा का लक्ष्य विधान चुनावों में 11000 बूथों पर बढ़त हासिल करने का है। इसके लिए संपर्क अभियान में संघ के सभी अनुरूपित संगठन हिस्सा लेंगे। उधर हरियाणा विधानसभा चुनाव से ठीक पहले एक प्री-पोर्टल सर्वे आया है। इस सर्वे के अनुसार 90 विधानसभा सीटों वाले प्रदेश में भाजपा के साथ बड़ा खेला हो सकता है। हरियाणा को लेकर लोक पोल ने प्री-पोल सर्वे किया है। इस प्री-पोल सर्वे में किसे कितनी सीटें मिलने वाली हैं। इसका अनुमान प्रस्तुत किया गया है। यह प्री पोल सर्वे 30 अगस्त 2024 को नवभारत टाइम्स में प्रकाशित किया गया है। इस ऑपिनियन पोल का साइज 67,500 है। यानि इसमें हरियाणा के 67,500 लोगों से राय ली गई है। लोक पोल सर्वे के मुताबिक हरियाणा में इस बार कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर वापसी करेगी। कांग्रेस को इस चुनाव में 58-65 सीटें मिलने का अनुमान है। इस चुनाव में कांग्रेस का बोट शेयर 46-48 फीसदी हो सकता है। वहीं भाजपा की बात करें तो सर्वे के अनुसार उसे 20-29 सीटें हासिल हो सकती हैं और इसका बोट शेयर 35-37 फीसदी रह सकता है। इस सर्वे के अनुसार तीन से पांच सीटें अन्य के खाते में भी जा सकती हैं। हरियाणा में मुख्य फाइट कांग्रेस और भाजपा में रहेगी। जेजेपी और जैसे क्षेत्रीय दलों का असर न के बराबर रहेगा। लोक-पोल ने 26 जुलाई से 24 अगस्त, 2024 के बीच यह सर्वे किया है, जिसका सैप्ल साइज 67,500 का पोर्टेबल डिवाइस पर लोगों से फेस टू फेस इंटरव्यू किए गए थे। इन सर्वे की माने तो जाट, सिख और जाटव बड़े स्तर पर कांग्रेस के समर्थन में जाएंगे। एंटी-इंकंवैशनी फैक्टर का असर भी भाजपा पर पड़ा है।

—अनिल नरेन्द्र



डॉ. बचन सिंह सिकरवार

निस्वार्थ भाव से राष्ट्र हित की राजनीति करने को कोई क्यों आगे आएगा? जहां राष्ट्रहित की कीमत पर असत्य बोलकर सत्ता पाई जाती है, ऐसा देश कब तक अपनी स्वतंत्रता, सम्प्रभुता अक्षुण्ण रख पाएगा? देश के राजनीतिक दल इस सत्य तथ्य पर कब ध्यान देंगे? ऐसा कब तक होता रहेगा? यह प्रश्न विचारणीय और अनुत्तरित बना हुआ है।

गत दिनों हिमाचल प्रदेश व मण्डी संसदी क्षेत्र से सांसद ए प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौ द्वारा एक साक्षात्कार में कथि किसान आन्दोलन, उनके नेतृत्व की करतूतों और उनके अस्स इरादों के बारे में जो कुछ खुलकर कहा, उसमें कुछ भी असत्य औ अतिशयोक्ति नहीं है। अब इसे लेकर पंजाब और हरियाणा के किसान और सियासी पार्टियों के नेताओं सिर्फ जीभर कर उन्हें कोस रहे हैं बल्कि उनके खिलाफ पुलिस रिपोर्ट दर्ज कराने और जान मारने से धमकियाँ तक दे रहे हैं यहाँ तक कि कुछ बलात्कार व डर भी देखा रहे हैं, फिर भी देशभू में सियासी पार्टियों से लेकर मानवाधिकार तथा अभिव्यक्ति स्वतंत्रता के पक्षधरों के संगठनों तक ने उनके बयानों की आलोचना-निदा/मजम्मत तक नहीं की है। अ उनकी फिल्म ‘इमरजेन्सी’ को चलने देने की धमकी भी दे रहे और पंजाब में कंगना रनौत व प्रतिबन्धित करने की माँग कर रहे हैं। क्या देश में सच बोला अपराध/गुनाह है? क्या कंगना रनौत नक्सली, खालिस्तानी अलगावावादी इस्लामिक दहशतगास से भी गई गुजारी है, जिनके अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता औ मानवाधिकारों को लेकर ये लोग केवल गला फाड़ कर चीखते चिल्लाते हैं, वरन् आधी रात ब सर्वोच्च न्यायालय का दरबाजा खटाखटाते भी उनके लिए न्याय व गुहार लगाते आए हैं। यहाँ तक कि उनकी अपनी पार्टी भाजपा ने उसी सियासी नफा-नुकसान और चुनावी माहौल देखते हुए उनके बयान असहमति जताते हुए किनारा क लिया। उसने यही रवैया अपनी राष्ट्रीय प्रवक्ता नुपूर शर्मा के साथ अपनाया था, जिन्होंने टी.वी.बी.डी. में धार्मिक पुस्तक का उल्लेख करके हुए पूर्णतः सही बक्तव्य दिया, फिर भी अत्यसंख्यक समुदाय व नाराजगी को देखते उनके कथन स्वयं को दूर कर लिया और उनका प्रवक्ता पद से हटा दिया।

वास्तविकता यह है कि भले

न्वी होने सही नेता पार्टी हुए में वाई की बाटा लेना नाफ के की नका वह हला जो अन्य आम गाय नारे अपनी हुए सभी अथल देश अब केन यों, यों, की और गारने है, भयने वादी का है। र में की और छुपा नयत का कुछ ८वीं दो हुए सूबे तीव्र सब जानते हुए भी लोग उ होने का ढोंग करते आए हैं। व में कौन मतान्तरण करा रह किस मक्सद से कराये जा फिर भी थोक वोट बैक के में सियासी पार्टियाँ अपनी खोलने को तैयार नहीं हैं। न्य से सजा पाये महाभ्रष्टाचारियों जातिवादियों की खुलकर दि ही नहीं करते, उन्हें महिमाभी किया जाता है, पर उनके बोलने से लोगों को डर लग अपनी स्पष्टवादिता के कारण रनौत ऐसे में इन लोगों के बद्रश्त होती? तभी तो खालिस्तान समर्थक पूर्व आ तथा संगठर से शिरोमणि अदल (अमृतसर) के पूर्व सांस सिमरनजीत सिंह ने सारी लंघते हुए कहा कि कंगना रेप का बहुत एक्सप्रियरेस/उ है, जैसा निन्दनीय बयान दियह उनकी राष्ट्रवादियों को नफरत को दिखाता है। वै शख्स और उन जैसों से भय भले ही कुछ न बोले, वे क्या सारा देश जानता है। अब महिला आयोग ने उनके बय भर्तीना करते हुए उनसे जवाब है। वैसे कुछ ऐसी ही नफरत के वरिष्ठ नेता और जान नफरत से भरे उदितराज कहकर व्यक्त की, उन्हें कंगना रेप के अनुभव के बारे में पता, पर उनका फिल्मी दृ संदिग्ध रहा है। इससे लोकसभा के चुनाव के कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया कंगना रनौत पर अपनी घुण कह प्रकट कर चुकी है—मणी में क्या भाव चल रहा है बतायेगा? इसे लेकर उनकी भर्तीना भी हुई थी। इधर रनौत को लेकर जनसंचार म विशेषकर टी.वी.चैनलों के प्र का रवैया भी सियासी पार्टियों ही है, जिसे किसी भी स्थिति नहीं माना जा सकता। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मु जयराम ठाकुर ने कंगना को इन सभी के बयानों की निदा हरियाणा के जे.जे.पी. के

कंगना रनौता सांसद जरूर बन गई है, पर कलाकर की मानसिकता से बाहर नहीं आ पायी है। सही है, यदि आ गई होती, तो क्या इतना कठोर सच बोलने की हिम्मत दिखा पाती? फिलहाल, कंगना रनौत प्रकरण राजनीतिक विश्लेषक मिन्हाज मर्चेंट यह कहना उचित प्रतीत होता है। उन्होंने लिखा है- भाजपा अपनी ही छाया से घबराने लगी है। पूरे देश ने देखा कि किसान आन्दोलन की आड़ में क्या कुछ नहीं हुआ। हिस्क प्रदर्शन से लेकर खालिस्तान समर्थक और विदेशी शक्तियों के दखल के संकेत एकदम साफ़ थे। ऐसे में कंगना रनौत का बयान तथ्यों पर आधारित था। पार्टी असहमति से किनारा करना कॉग्रेस की संस्कृति रही, जिसे भाजपा भी अपनाती जा रही है। कंगना रनौत के सिर्फ़ आलोचक/निन्दक ही नहीं हैं, बल्कि बहुत सारे लोग प्रशंसक भी हैं, इनमें से एक जगदीश भाटिया का कथन है- कंगना रनौत रास्ते बनाना जानती है। फिल्मों में भी और राजनीति में भी। उन्होंने अपने बल पर अपने लिए रास्ते बनाए हैं और जो रास्ते बनाना जानते हैं, वे जीवन में कभी विफल नहीं होते। दरअसल, कृषि कानून विरोधी आन्दोलन को लेकर कंगना रनौत का बयान भी उस दिन आया, जिस दिन भाजपा ने जम्मू-कश्मीर की विधानसभा के लिए प्रत्याशियों की पहली सूची जारी की थी, पर भारी विरोधी के बाद तत्काल उसे वापस लेना पड़ा था। तब भाजपा ने मौके की नजाकता देखते हुए उससे सही न मानते हुए, उन्हें हर तरह की चुप रहने की हिदायत दे दी। जहाँ तक कंगना रनौत के बयान की बात है, तो वह पूर्णतः सत्य तथ्यों पर आधारित था। उक्त आन्दोलन में लाशें लटक रही थीं, दुर्घट्ट हो रहे थे। कृषि कानूनों को वापस ले लिया गया, अन्यथा उपद्रवियों की कुछ वैसी ही योजना थी, जैसा उन्होंने बांलादेश में किया। ”यह सच है, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ने तब बहुत धैर्य और सूझबूझ से काम लिया था और उसे रोकने के लिए चाकचौबन्द बन्दोबस्तु लिये दे। जिसे वैसे लेंदे-

# शर्मनाक है नारी शोषण में पक्षपात



तनवीर जाफ़री

उत्तरांचल, मणिपुर  
राजस्थान, मध्य  
प्रदेश कहां नहीं हो  
रहा है बलात्कार?  
परन्तु क्या मीडिया  
तो क्या सरकारी  
तंत्र व विशेष  
विचारधारा के लोग  
इन सबको केवल  
गैर भाजपा शासित  
राज्यों में ही ऐसे  
अपराध नज़र आते  
हैं?

बंगाल की राजधानी महानगर कोलकता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में रात की ड्यूटी अंजाम दे रही एक जूनियर डॉक्टर के साथ 9 अगस्त को हुआ बलात्कार तथा बलात्कार के बाद उसी जूनियर डॉक्टर की बेरहमी से की गयी हत्या का मामला इन दिनों देश के सबसे ज्वलंत मुद्दे के रूप में मीडिया में छाया हुआ है। इस बलात्कार व हत्या के मामले में कलकत्ता उच्चन्यायालय के आदेश पर सीबीआई जांच भी शुरू हो चुकी है। उस समयद्वारा मामला और भी हाई प्रोफेशनल हो गया जबकि राष्ट्रपति द्वापदी मुर्मु ने गत दिनों पीटीआई को दिए अपने साक्षात्कार में इसी कांड के सम्बन्ध में यह कह दिया कि मैं बहुत निराश और भयभीत हूं। बेटियों के खिलाफ अपराध बर्दाशत नहीं। राष्ट्रपति ने कहा, बस अब बहुत हुआ। इसके अतिरिक्त भी राष्ट्रपति महोदया ने इसी विषय पर और भी बहुत सी बातें कर हमारे समाज की बेटियों और बहनों के साथ हो रहे इस तरह के अत्याचारों पर गहन चिंता ज़ाहिर की। उन्होंने पूरे समाज का आवाहन किया कि सब मिलकर इस विकृति का सामना करें ताकि इसे शुरुआत में ही खत्म किया जा सके।

भी लगाया जा सकता है? इससे पहले भी बंगाल में संदेश खाली कर्म कुछ महिलाओं ने कथित तौर पर यह आरोप लगाया था कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के क्रीर्बाटूण्मूल नेताओं द्वारा प्रशासन का डर दिखाते हुए उन लोगों पर अत्याचार किया गया। उनकी जमीन छीन कर उस पर कब्ज़ा कर लिया गया। विरोध करने पर हमले किये गये। जमीन लीज पर लेकर पैसे भी नहीं दिये गये, पैसे देने के बाद करने के बाबजूद पैसे मालिये गये और शारीरिक शोषण भी किया गया, आदि आदि। हालांकि इसी मामले में तृणमूल नेताओं पर बलात्कार का आरोप लगाने वार्ल्स तीन महिलाओं में से दो ने केस वापस भी ले लिया था। तृणमूल कांग्रेस ने 'स्ट्रिंग ऑपरेशन' के एक बैडियो में दावा किया था कि बीजेपी के स्थानीय नेता ने कड़ महिलाओं से सादे काग़ज पर दस्तखत करवाए थे और बाद में तृणमूल नेताओं के विरुद्ध बलात्कार व यौन उत्पीड़न की शिकायत दज़ करवाने में इन काग़जों का प्रयोग किया गया था। इस साज़िश के पर्दाफ़ाश होने के बाद यह मामला जितनी तेज़ी से मीडिया में उछाल गया था उतनी ही तेज़ी से यह दबावी

विधायिका को मिलकर ऐसे उपाय दृढ़ने चाहिये जिससे अपराधियों के हौसले पस्त हों और वे ऐसे अपराधों की जुरआत हीन कर सकें। साथ ही समाज को अपने बच्चों को भी शिक्षित करना चाहिये। परन्तु अफसोस तो इस बात का है कि हमारे देश में बलात्कार व हत्या जैसे घिनौने अपराध को लेकर भी 'राजनीति की हांडी' चढ़ा दी जाती है। राज्य में सरकार किस दल की है, यह देखकर बलात्कार का विरोध किया जाता है। और इससे भी शर्मनाक यह कि बलात्कार पीड़िता का धर्म व उसकी जाति देखकर भी मामले का विरोध व समर्थन निर्धारित किया जाता है। आरोपी/अपराधी के रसूख के अनुसार भी उसके साथ बर्ताव किया जाता है। यहाँ तक कि यदि बलात्कार व हत्या का अपराधी बड़ी संख्या में अपने अनुयायी रखता है तो उस पर तो शासन की विशेष कृपा बरसते देखी जा सकती है। खासकर चुनावी बेला में तो ऐसे सफेदपोश अपराधियों को विशेष पेरोल तक दे दी जाती है।

याद कीजिये गुजरात में 2002 में हुए साम्प्रदायिक दंगों के दौरान बिलकीस बानों व उसकी मां के साथ सामूहिक बलात्कार किया गुजरात सरकार ने अच्छे चरित्र के आधार पर दोषियों की सज्जा में छूट देते हुये स्वतंत्रता दिवस के दिन इनको रिहा कर दिया था। एक तरफ तो भारत सहित पूरे विश्व में गुजरात सरकार के इस कदम की धारा आलोचना हुई थी। तो दूसरी तरफ इन हत्यारे बलात्कारियों को मंच पर सुशोभित किया जाने लगा था। इन्हें फूल माला पहनाकर इन हत्यारे बलात्कारियों का स्वागत किया जा रहा था। इसी आलोचना के दौरान एक विश्व हिन्दू परिषद के पक्षकार विद्वान लेखक ने इन हत्यारे बलात्कारियों का पक्ष लेते हुये अपने आलेख को इस आशय के शीर्षक से सजाया था कि - आखिर हिन्दुओं को भी तो जीने का अधिकार है? यह तो भला हो सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीबी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुयन का जिन्होंने इस मामले में संज्ञान लेते हुये - कहा कि मई 2022 में गुजरात सरकार ने दोषियों की सज्जा में छूट देकर तथ्यों की उपेक्षा की थी। और इसी टिप्पणी के साथ उन्होंने सभी दोषियों को दो हफ्ते के भीतर जेल प्रशासन के पास हाज़िर होने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने उसी समय यह भी कहा था कि गुजरात सरकार के पास सज्जा में छूट देने का अधिकार नहीं हो रहा है बलात्कार? परन्तु क्या मीडिया तो क्या सरकारी तंत्र व विशेष विचारधारा के लोग इन सबको केवल गैर भाजपा शासित राज्यों में ही ऐसे अपराध नज़र आते हैं?

त्योहारी सीजन में कारोबार  
चौंकाते हुए बढ़ रही है

माह अगस्त 2024 में जीएसटी

संग्रह 1.75 लाख करोड़ पर पहुँच और अर्थव्यवस्था में सुदृढ़ीकरण संकेत के साथ देश में 6 तितम्बर तीज के पर्व से त्योहारी सूजन व आगाज़ होने जा रहा है। इसी के साथ आगामी दिनों में एक के बाद एक त्योहार आने है। उम्मीद की जा रही इस बार बाजार में गोपेश चतुर्थी, नवरात्रि, दशहरा, दीपावली सहित और भी बहुमहत्वपूर्ण ब्रत-त्योहार आएंगे जिनमें जमकर खरीदारी की सम्भावना है त्योहारों पर जिस तरह से विभिन्न प्रकार की चीजों की बिही से बाजार गलजार

के लिए ग्राहक मन बना चुके हैं। लोग  
खरीदारी के लिए बाजारों में पहुंच रहे हैं तथा  
दुकानें ग्राहकों से गुलजार होने लगी हैं।  
बाजारों में चहल पहल व भीड़-भाड़  
देखने को मिल रही है। अॉनलाइन  
शॉपिंग की तरफ लोगों का रुझान बढ़  
हुआ है। दुकानदारों का कहना है कि  
बाजार में खरीदारी करने वालों की भीड़  
बढ़ रही है और आने वाले दिनों में  
कारोबार बढ़ने की उम्मीद है। त्योहारी  
सीजन से इलेक्ट्रॉनिक, कपड़ा, ऑटो  
मोबाइल, सराफा बाजार में ग्राहकों का  
रुझान बढ़ा है। देशभर में पर्यटन क्षेत्र

न केवल इन स्थलों की रौनक बड़ रही है बल्कि अच्छा कारोबार होने से कारोबारियों के चेहरों पर चमक देखने को मिल रही है। पर्यटन कारोबारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतारी होने की उम्मीद है। अच्छा कारोबार होने से सभी कारोबारियों को आर्थिक लाभ मिलेगा। इस त्योहारी सीजन में एक दर्जन बड़े त्योहार और ब्रत आते हैं जिसमें देशवासी उमग और उत्साह के साथ शामिल होकर अपनी खुशियों का इजहार करते हैं। यह त्योहारी सीजन हालांकि महंगाई की मार बाजार और ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट्स पर ऑफर्स की सम्भावना है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देश में तीस करोड़ से ज्यादा लोग ऑनलाइन भुगतान करते हैं। दुकानदार और ऑनलाइन कम्पनियाँ जहां इन त्योहारों में आकर्षक ऑफर तथा डिस्काउंट की पेशकश कर ग्राहकों को रिश्ताने का प्रयास करते हैं, वहाँ ग्राहक भी इन आकर्षक ऑफरों का लाभ उठाकर जमकर खरीदारी करते हैं। सरकारी बैंकों सहित कई कम्पनियाँ और निर्माता उपभोक्ताओं को लभावनी छट से भी रही है। दुकानदारों ने भी आकर्षित ढंग से दुकानों को सजाना शुरू कर दिया है, ताकि अच्छा व्यापार हो सके। खुदरा व्यापारी ऑनलाइन सेल का विरोध कर रहे हैं और अपने व्यापार के चौपट होने की दुहर्इ दे रहे हैं मगर उपभोक्ता ऑनलाइन व्यापार से खुश नजर आ रहे हैं। उन्हें बाजार की धक्कमपेल से छुटकारा मिल रहा है। ऑनलाइन सेल में सामान सस्ता जरूर मिल रहा है मगर उपभोक्ता को सावधानी रखनी पड़ेगी क्योंकि ठगी करने वाले गिरोह भी सक्रीय हो गए हैं।

पौर्णिमा है। दुकानदारों ने भी आकर्षित ढंग से दुकानों को सजाना शुरू कर दिया है, ताकि अच्छा व्यापार हो सके। खुदरा व्यापारी ऑनलाइन सेल का विरोध कर रहे हैं और अपने व्यापार के चौपट होने की दुर्हाइ दे रहे हैं मगर उपभोक्ता ऑनलाइन व्यापार से खुश नजर आ रहे हैं। उन्हें बाजार की धकमपेल से छुटकारा मिल रहा है। ऑनलाइन सेल में सामान सस्ता जरूर मिल रहा है मगर उपभोक्ता को सावधानी रखनी पड़ेगी क्योंकि ठगी करने वाले गिरोह भी सक्रिय हो गए हैं।

—बाल मुकुन्द ओङ्का  
मालतीय उग्रा उग्रा।



## देश के विकास में सहकारी क्षेत्र का योगदान अद्वितीय है: राष्ट्रपति

पुणे, (भारत)। राष्ट्रपति द्वारा मुर्मू ने महाराष्ट्र के कोल्हापुर में एक समारोह के संबोधित करते हुए कहा कि देश के विकास में सहकारी क्षेत्र का योगदान अतुलनीय है।

परिवर्तन महाराष्ट्र के शहर वाराणसीर में श्री वाराणा महिला सहकारी समूह के स्वर्ण जयंती समारोह को महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। लेकिन देश के विकास में सहकारी क्षेत्र की भूमिका अतुलनीय है। मुर्मू ने कहा कि सहकारिता समाज में निवित शक्ति का बहतर उपयोग करने का सर्वोत्तम माध्यम है। उन्होंने कहा, सहकारिता के सिद्धांत संविधान में परिकल्पित तथ्य, एकता और भाईयांच की भावाओं के अनुरूप है। जब अलग-अलग बांगों और विचारधाराओं के लोग सहकार के लिए एकजुट होते हैं, तो उन्हें सामाजिक



राष्ट्रपति द्वारा मुर्मू श्री वाराणा महिला सहकारी समूह के स्वर्ण जयंती समारोह में भाग लेती हुई। (एनआई)

विविधता का लाभ मिलता है। मुर्मू ने कहा कि देश के अधिक विकास में सहकारी समितियों ने अपनी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है तथा अमल और खुलत पापड़ दूध और दूध उत्पादों का उत्पादन और जैसे घरेलू ब्रांड ऐपी सहकारी समितियों के वितरण करती है। उन्होंने ने कहा कि ही उत्पादन है। राष्ट्रपति ने कहा कि सहकारी समूहों ने भारत के विश्व का सबसे

बड़ा दूध उत्पादक बनाया है। महत्वपूर्ण विविधता का लाभ मिलता है। मुर्मू ने कहा कि देश के अधिक विकास में सहकारी योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि ऐपी महालक्ष्मी ने देवी महालक्ष्मी को प्रसिद्ध मंदिर में पूजा-अर्चना की और उसके बाद राज्य की तीन दिवसीय यात्रा पर रवाणा हुई। मुर्मू के कोल्हापुर पहुंचने पर महाराष्ट्र के राज्यपाल सौ. पी. राधाकृष्णन ने उनका स्वागत किया। जिसे कि अधिकारियों ने पहुंची और देवी से आशीर्वाद लिया।







